कम उम्र में माँ नहीं बनने का एक छोटा सा प्रयास

मैं तारामनी मेरा गॉव सुकनडीह खूँटी प्रखण्ड/जिले से 25 किलोमीटर की दूरी पर है।

सुकनड़ीह गॉव

मुण्डा समुदाय

तारामनी

मेरा गॉव सुकनबुरु पहाड़ के नीचे अन्य गॉव की तुलना में ऊँचे स्थान पर है। गॉव में 28 परिवार है जिसकी जनसंख्या 170 है। हमलोग आंगनबाड़ी से स्वास्थ सुविधा लेने के लिए 2 किलोमीटर नीचे स्थित टोटादाग गॉव आते हैं। गॉव में पूर्णतः मुण्डा समुदाय के लोग रहते हैं।

चुनिया (17 वर्ष)

मैं अपनी फुआ के साथ घर में रहकर पढ़ाई कर रही थी।गॉव के ही चुनिया (17 वर्ष) नामक लड़के के साथ मेरी दोस्ती हो गई। चुनिया मुझे अपने घर ले आया। शादी के बाद भी मैं स्कूल जाती थी। किन्तु परिवार वालों के ताने सुनकर मैंने स्कूल जाना छोड़ दिया। मैं मवेशी चराने का काम करती थी।

उस समय गॉव में पी0 एल0 ए0 बैठक शुरु हो चुकी थी। मैं भी बैठक में शामिल होती। माता एवं नवजात शिशु में होने वाली समस्याओं को बहुत ध्यान से सुनती। मुझे पारिवारिक जीवन के बारे में कुछ भी समझ नहीं थी। इसी बीच मेरे रिष्तेदारी में एक महिला की मृत्यु प्रसव के दौरान हो गई। वो भी कम उम्र की थी। मैं बहुत डर गई । मैं जब पी0 एल0 ए0 बैठक में आती तो सहिया दीदी ने समझाया कि अभी तुम्हारी उम्र बहुत कम है और कम उम्र में मॉ बनने पर माता एवं षिषु को होनेवाली समस्या को बताया। उसने मुझे परिवार नियोजन के साधन के बारे में बताया। उनकी सलाह मानकर हमने परिवार नियोजन के साधन के रुप में कंडोम का प्रयोग किया और मैं तीन साल तक अपनी इच्छा से गर्भधारण नहीं की। मॉ नहीं बनने के कारण परिवार वाले मुझे बांझ कहने लगे। मैंने परेषान होकर गर्भधारण कर लिया। लाज शर्म के कारण पंजिकरण भी नहीं कराया किन्तु जब सहिया दीदी को पता चला तो चौथे माह में उसने मेरा पंजिकरण कराया ।

बैठक में शामिल

सहिया दीदी

इसके बाद से मैं नियामित रुप से आंगनबाड़ी जाती और ANM दीदी और सहिया के सभी सलाह मानती। इस बीच पी0 एल0 ए0 बैठक में भी शामिल होती रही। सहिया फुलमनी दीदी मेरी कम उम्र और कम उचॉई से चिंतित रहती कि मैं कैसे बच्चे को जन्म

दे पाऊँगी। इसलिए सहिया दीदी मुझे मानसिक रुप से भी तैयार करती रही।

सहिया दीदी

प्रसव के समय आने पर घर पर ही मेरा प्रसव हो गया। मैंने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। पी0 एल0 ए0 बैठक में सिखाए गए जानकारी के आधार पर मैं अपनी बच्ची मुनेश्वरी की देखभाल करने लगी। मेरी बेटी मुनेश्वरी को 6 माह तक केवल अपना ही दूध पिलाया। इस बीच भी हम परिवार नियोजन के साधन को अपनाते रहे। आज मुनेश्वरी 1 साल 10 माह की है। मैं अपने परिवार को लेकर सजग हूँ। मुझे यह जानकारी है कि सहिया दीदी के पास गर्भ जाँच का किट मिलता है। मन में कुछ शंका होने पर मैं तुरंत सहिया से मिलती हूँ। आज मैं अपने परिवार के साथ बहुत खुश है।

बच्ची मुनेश्वरी के साथ

अपने परिवार के साथ बहुत खुश तारामनी